



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 548] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 6, 1971/कार्तिक 15, 1893

No. 548] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 6, 1971/KARTIKA 15, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November 1971

S.O. 5088.—The Central Government having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Punjab Company Ltd., Bhatinda and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Company for a further period of one year from the 6th November, 1971 to the 5th November, 1972 (both days inclusive), in respect of forward contracts in Kapas and Cottonseed.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Company shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(12)-I.T./71.]

R. K. TALWAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विभाग संश्लेष

(आन्तरिक व्यापार विभाग)

अधिवृत्ति

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1971

फा० आ० 5088.—केंद्राध्य सरकार पंजाब कम्पनी लिमिटेड भटिंडा को पुनर्निर्माण के लिए अधिसूचन संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 से अधीन दिए गए आवेदन पर, वायदा या आर वायोग से परामर्श करके, विचार कर लेने पर, और अपनी यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त कम्पनी की कपास और बिनौला की अधिसूचन संविदाओं की बाबत, 6 नवम्बर, 1971 से लेकर 5 नवम्बर, 1972 तक जिसमें ये दोनों वित्त वर्षभिन्न हैं, एक वर्ष का आन्तरिक कानावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्वधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार वायोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगा।

[सं० फा० 12 (12)-आई०टी०/71]

आर० के० तलवार, संयुक्त सचिव।